मृत्यु के बाद क्या होता है?

हर व्यक्ति मरता है। अमीर हो या गरीब, ऊँचा हो या नीचा, ज्ञानी हो या सीधा-सादा। तो आगे क्या होता है?

बहुत से लोगों को सिखाया गया है कि आप फिर से किसी दूसरे शरीर में जन्म लेते हैं। कोई दूसरा व्यक्ति। शायद कोई जानवर। जन्मों का पहिया घूमता ही रहता है।

कुछ और लोग कहते हैं कि आत्मा अंत में ब्रह्म (या शून्य) में मिल जाती है, जैसे पानी की एक बूँद समुद्र में।

और कुछ लोग कहते हैं कि मृत्यु बस अंत है।

लेकिन बाइबल क्या कहती है?

आप एक ही बार मरते हैं। बहुत बार नहीं। एक बार। केवल एक बार।

मनुष्यों के लिए एक बार मरना ठहराया गया है, पर उसके बाद उन्हें न्याय का सामना करना है। (इब्रानियों 9:27)

आप किसी और के रूप में लौटकर नहीं आएँगे। आप बिना याद के फिर से शुरू नहीं करेंगे। आप जैसे हैं, वैसे ही परमेश्वर के सामने खड़े होंगे।

न ही आप गायब होकर बस शून्य में खो जाएँगे।

गरीबों से अक्सर कहा जाता है कि पिछले जन्म के पाप के कारण वे अपनी इस दशा के लायक हैं। यह भूल जाना है कि इस जीवन के बाद हमें एक पवित्र परमेश्वर से मिलना है, जो यीशु में क्षमा करते हैं, या पापी को दण्ड देते हैं।

मरे हुए जिलाए जाएँगे। बाइबल पुनरुत्थान की बात करती है, आपके अपने असली पुनरुत्थान की, किसी धुंधली आत्मा या किसी ऐसे व्यक्ति की नहीं जिसे आप याद तक नहीं करते। यीशु ने कहा:

> “वह समय आता है, जिसमें जितने कब्रों में हैं, उसका शब्द सुनेंगे, और निकलेंगे।” (यूहन्ना 5:28-29)

कुछ जीवन के लिए जी उठेंगे। कुछ न्याय के लिए जी उठेंगे।

परमेश्वर ने प्रमाण दिया है। उन्होंने यीशु को मरे हुओं में से जिलाया।

पौलुस ने कहा कि परमेश्वर ने “एक दिन ठहराया है, जिसमें वह उस मनुष्य के द्वारा धार्मिकता से जगत का न्याय करेगा, जिसे उसने ठहराया है; और उसे मरे हुओं में से जिलाकर यह बात सब पर प्रमाणित कर दी है।” (प्रेरितों के काम 17:31)

आप घुलकर मिट नहीं जाएँगे। परमेश्वर ने आपको शून्य में पिघल जाने के लिए नहीं बनाया। उन्होंने आपको इसलिए बनाया कि आप उन्हें जानें:

What Happens after Death?

Every person dies. Rich or poor, high or low, wise or simple. So what happens next?

Many people have been taught that you are born again into another body. Another person. Perhaps an animal. The wheel of births turns on and on.

Others say the soul at last unites into nothingness, like a drop of water into the sea.

Still others say death is simply the end.

But what does the Bible say?

You die once. Not many times. Once. Once only.

It is appointed that men die once, but after this they face the judgment. (Hebrews 9:27)

You will not come back as someone else. You will not start over without memory. You will stand before God as yourself.

Neither will you disappear and simply vanish into non-existence.

The poor are often told they deserve their place for sin in their previous life. This is to forget that after this life we have a meeting with a holy God who forgives in Jesus, or punishes the sinner.

The dead will be raised. The Bible speaks of resurrection, a real resurrection of you personally, not a vague spirit or someone you don't remember. Jesus said:

> "The hour is coming, in which all who are in the graves shall hear his voice, and shall come forth." (John 5:28-29)

Some will rise to life. Some will rise to judgment.

God has given proof. He raised Jesus from the dead.

Paul said God "has appointed a day, in which he will judge the world in righteousness by that man whom he has appointed; of this he has given proof to all men, in that he has raised him from the dead." (Acts 17:31)

This man is Jesus.

You will not dissolve. God did not make you to melt into nothing. He made you to know Him:

> “और अनन्त जीवन यह है कि वे तुझे— एकमात्र सच्चे परमेश्वर को— और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जानें।” (यूहन्ना 17:3)

इसका उलटा कोई शांत नींद नहीं है। इसका उलटा है प्रभु की उपस्थिति से दूर कर दिया जाना (2 थिस्सलुनीकियों 1:8-9)।

मृत्यु अंत नहीं है। जब आप किसी पिता को दफ़नाते हैं, तो घर में सन्नाटा छा जाता है। पर सन्नाटा आखिरी बात नहीं है। यीशु एक कब्र के पास खड़े हुए और कहा:

> “पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ; जो मुझ पर विश्वास करता है, वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।” (यूहन्ना 11:25)

फिर उन्होंने एक मरे हुए आदमी को उस कब्र से बाहर बुलाया। इसके बारे में यूहन्ना 11:43-44 में पढ़िए।

यीशु पर विश्वास कीजिए— अपने पापों से मन फिराइए— और उनकी क्षमा के लिए यीशु में बपतिस्मा (पानी में डुबकी) लीजिए। (प्रेरितों के काम 2:37-38)

आखिरी बात:

असली सवाल यह नहीं है, “मैं अगले जन्म में क्या बनकर लौटूँगा?” असली सवाल यह है, “क्या मैं न्यायी से मिलने के लिए तैयार हूँ?”

> "And this is life eternal, that they might know you—the only true God—and Jesus Christ, whom you have sent." (John 17:3)

The opposite is not a quiet sleep. It is to be shut out from the presence of the Lord (2 Thessalonians 1:8-9).

Death is not the end. When you bury a father, the house is quiet. But quiet is not the last word. Jesus stood at a tomb and said:

> "I am the resurrection, and the life: he who believes in me, though he were dead, yet shall he live." (John 11:25)

Then He called a dead man out of that tomb. Read of it in John 11:43-44.

Believe in Jesus—repent of your sins—be baptized into Jesus for their forgiveness. (Acts 2:37-38)

Conclusion:

The real question is, "Am I ready to meet the Judge?"

यह पर्चा आपको देने वाले व्यक्ति को मुफ्त मिला था। यह आपके लिए भी मुफ्त है। इसके लिए कभी पैसे न दें।

इसे पढ़ें। अपनी बाइबल के साथ इसका अध्ययन करें। फिर इसे किसी और को दे दें।

और पढ़ने, अपनी भाषा में सुनने, या सवाल पूछने के लिए स्कैन करें:

हमें आपकी राय सुनना अच्छा लगेगा। कोड स्कैन करके हमें संदेश भेजें।

मसीह की कलीसियाओं की ओर से एक उपहार।
बिक्री के लिए नहीं।

This tract was given free to the person who handed it to you. It is free to you too. Never pay for it.

Read it. Study it with your Bible. Then pass it on to someone else.

Scan to read more, hear it in your language, or ask a question:
purposeandvision.org

We’d love to hear what you think. Scan the code to send us a note.

A gift from the churches of Christ.

Not for sale.